



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 186] नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 30, 1990/चैत्र 9, 1912
No. 186] NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 30, 1990/CHAITRA 9, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

कल्याण मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1990

का.आ. 274(अ). - केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के तत्कालीन विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय (विधायी विभाग) की अधिसूचना सं. का.आ. 247, तारीख 30 दिसम्बर, 1975 जो भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii), तारीख 17 जनवरी, 1976 में प्रकाशित की गई थी, के साथ पठित बन्ध अधिनियम, 1954 (1954 का 29), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 64 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एंजाब बन्ध बोर्ड के अतिष्ठित रहने की अधि की, जो भारत सरकार के तत्कालीन विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय (विधायी विभाग) की अधिसूचना सं. का.आ. 796(अ), तारीख 11 नवम्बर, 1981, सं. का.आ. 68(अ) तारीख 9

फरवरी, 1982 और सं. का.आ. 105(अ), तारीख 9 फरवरी, 1983, सं. का.आ. 64(अ) तारीख 2 फरवरी, 1984 और सं. का.आ. 95(अ) तारीख 5 फरवरी, 1985 तथा भारत सरकार के कल्याण मंत्रालय की अधिमूचना सं. का.आ. 198(अ) तारीख 17 अप्रैल, 1986, सं. का.आ. 386(अ), तारीख 14 अप्रैल, 1987, सं. का.आ. 782(अ), तारीख 19 अगस्त, 1987, सं. का.आ. 213(अ) तारीख 26 फरवरी, 1988, सं. का.आ. 813(अ) तारीख 29 अगस्त, 1988 और सं. का.आ. 286(अ), तारीख 19 अप्रैल, 1989 में विनिर्दिष्ट है, 1 मई, 1990 से 30 अप्रैल, 1991 तक का और अवधि के लिए बढ़ाता है।

भारत के राष्ट्रपति के आदेश से और उनके नाम से।

[सं. 4(1)/90-वकफ]

मता प्रसाद, मुख्य सचिव

MINISTRY OF WELFARE

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th March, 1990

S.O. 274(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 64 of the Wakf Act, 1954 (29 of 1954) (hereinafter referred to as the said Act) read with notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Law, Justice and Company Affairs (Legislative Department) No. S.O. 247 dated the 30th December, 1975 published in the Gazette of India, Part II—Section 3—Sub-section (ii) dated the 17th January, 1976, the Central Government hereby extends the period of supersession of the Punjab Wakf Board, specified in the notifications of the Government of India in the erstwhile Ministry of Law, Justice and Company Affairs (Legislative Department) No. S.O. 796(E) dated the 11th November, 1981, No. S.O. 634(E) dated the 9th February, 1982, No. S.O. 105(E) dated the 9th February, 1983, No. S.O. 64(E) dated the 2nd February, 1984 and No. S.O. 95(E) dated the 5th February, 1985 and the notifications of the Government of India in the Ministry of Welfare No. S.O. 198(E) dated the 17th April, 1986, No. S.O. 386(1) dated the 14th April, 1987, No. S.O. 782(E) dated the 19th August, 1987, No. S.O. 213(E) dated the 26th February, 1988, No. S.O. 813(1) dated the 29th August, 1988 and No. S.O. 286(E) dated the 19th April, 1989 by a further period on and from the 1st day of May, 1990 to the 30th day of April, 1991.

By order and in the name of the President of India.

[No. 4(1)/90-Wakf]

MATA PRASAD Jt. Secy.